ज्ञान का सार्थक उपयोग पशुपालक के हित में हो :– डॉ. जुयाल

वी.यू. में "पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु पशुपालन की उन्नत तकनीकों" विषय पर मैनेज प्रशिक्षण का उद्घाटन

आज दिनांक 25 सितम्बर 2018 को पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर के सभागार में "पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु पशुपालन की उन्नत तकनीकों" विषय पर पॉच दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल माननीय कुलपति, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. शाहजी, फंड सहायक निर्देशक तथा कोर्स कोर्डीनेटर, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद (तेलंगाना) मंचासीन रहे। विदित हो कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद द्वारा पोषित किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24–28 सितम्बर 2018 तक आयोजित रहेगा, इस प्रशिक्षण में कुल 26 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों, (मध्यप्रदेश शासन) की प्रशिक्षणार्थियों के रूप में सहभागिता मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों से हुई है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन का शुभारंभ मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत तथा डॉ. शाहजी फंड का श्रीफल एवं शॉल से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात डॉ. सुनील नायक, कोर्स को–ऑर्डीनेटर तथा संचालक विस्तार शिक्षा द्वारा **"पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु पशुपालन की उन्नत तकनीकों"** प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी विस्तृत तकनीकि जानकारी प्रस्तुत की गई। इसी श्रंखला में डॉ. शाहजी फंड, कोर्स कोर्डीनेटर, मैनेज ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्कता एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हमारे प्रयास से इस विश्वविद्यालय को दो प्रशिक्षण कार्यक्रम पोषित किये गये, जिससे मध्यप्रदेश के पशुओं की पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु पशुपालन की उन्नत तकनीकियों का ज्ञान एवं अंगीकण पशुपालकों द्वारा संभव हो सके। कार्यक्रम की श्रंखला में विशिष्ट अतिथि डॉ. गोविन्द प्रसाद मिश्रा जी ने उद्बोधन करते हुये इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन को अभूतपूर्व उल्लेखित किया।

उद्घाटन कार्यक्रम की श्रंखला में मुख्य अतिथि डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी, ने अपने उद्बोधन में पशुपालन विस्तार अनुसंधान, कृषि विज्ञान केंद्र एवं दुग्ध पदार्थों के प्रसंस्करण हेतु डेयरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की महत्ती आवश्यकता पर बल दिया। इसी के साथ कहा कि उन्नत एकीकृत प्रणाली पद्धति के माध्यम से कृषकों का सशक्तीकरण किया जावे, जिससे कृषकों की आय में दोगुनी वृद्धि परिलक्षित हो तथा हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का स्वप्न साकार करते हुये, नवभारत का निर्माण हो सके। डॉ. जुयाल ने म.प्र. पशुपालक विभाग के पशुचिकित्सा विस्तार अधिकारियों एवं पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों को संबोधित करते हुये कहा कि आप विश्वविद्यालय एवं पशुपालक के बीच की कड़ी है। आपके प्रयासों से ही शोधों का लाभ सीधे पशुपालक तक पहुॅचेगा। ज्ञान का सार्थक उपयोग पशुपालक के हित में होना चाहिये एवं उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो। साथ ही आपने बताया कि देश 14 पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में से नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय का 5 वें स्थान पर आना, अपने आप में बढ़ी उपलब्धि है।

इस कार्यक्रम में डॉ. एस.एन.एस. परमार अधिष्ठाता संकाय, डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता, डॉ. यशपाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, डॉ. जी.पी. पांडे कुलसचिव, डॉ. जे.के. भारद्वाज, संचालक प्रक्षेत्र, डॉ. पी.सी. शुक्ला, संचालक क्लिीनिक, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, जनसंपर्क अधिकारी, डॉ. राजेश शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, डॉ. एस. के. जोशी, संचालक शिक्षण, डॉ. एस.के. महाजन, अधिष्ठाता, मत्स्य महाविद्यालय विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. शानू सिंगौर एम.व्ही.एस.सी. (पशु पोषण) छात्रा द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रभारी विभागाध्यक्ष, पशुपालन विस्तार विभाग/संचालनालय विस्तार शिक्षा, ना.दे.प.चि.वि.विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर ने किया।